अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

मई 2023 अंक 298

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

'युगप्रधान' आचार्यश्री महाश्रमणजी

के 50वें दीक्षा दिवस पर श्रद्धायुक्त अभिवन्दना
– अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल परिवार

आचार्यश्री महाश्रमण
दीक्षा कल्याण महोत्सव
50

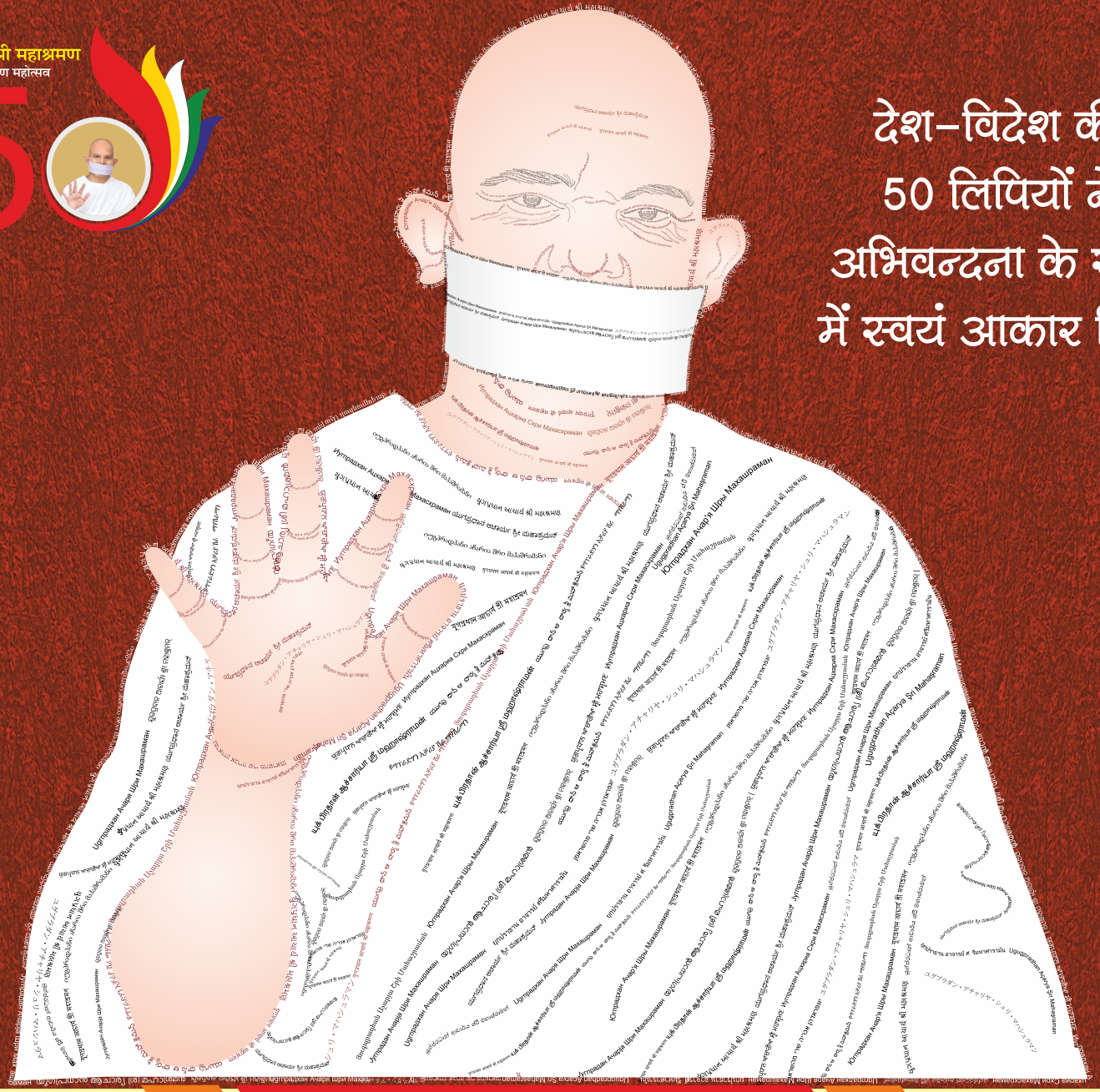

देश–विदेश की 50 लिपियों ने अभिवन्दना के स्वर में स्वयं आकार लिया

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों,

तेरापंथ धर्मसंघ के लिए यह विशेष अवसर है कि वर्तमान पट्टधर का संयम पर्याय के 50वें वर्ष में प्रवेश हो रहा है। दैनदिन्य जीवन में सदैव चहुँ ओर से घिरे रहने के बावजूद भी स्वयं के भीतर जीते हुए साधनारत रहना, एक विलक्षण व्यक्तित्व की पहचान होती है। महातपस्वी जैसा अलंकरण विरल साधक को ही प्राप्त हो सकता है।

बालक मोहन ने जीवन की क्षणभंगुरता एवं नश्वरता के बोध एवं आत्मा के पुनरुद्धार के सोद्देश्य से संयम जीवन मार्ग पर प्रशस्त किया। दीक्षा महात्याग है, आध्यात्मिक अभ्युत्थान का प्रगुणी पथ है, संबंधातीत जीवन की नई शुरुआत है, प्रशस्य पराक्रम है। जीवन में स्वार्थ, परार्थ और परमार्थ के समंविति की समीचीन प्रतिष्ठापना का अहम् महत्व है, दीक्षा इसकी प्रयोग भूमि है। स्व–पर–कल्याण की क्षिप्र साधना में प्रवृत्त होना, श्रेयस सौभाग्य है।

राग से विराग, अव्रत से महाव्रत, बहिर्मुखता से अंतर्मुखता एवं आगार से अणगार धर्म का अनुशीलन विलक्षण है। इसकी पुष्कल परिणति में आत्मोद्धार तो निहित है ही, साथ ही साधक की संस्कार–आचार–व्यवहार की परिष्कृत दिशाएं उद्घाटित होती है। इन सभी गुणों का समावेश करते आचार्य श्री महाश्रमणजी ने जीवन को त्यागमय, समर्पणमय और करुणामय बनाते हुए लोक–कल्याण में अपना सर्वस्व न्यौछावर किया एवं दो आचार्यों की सामीप्यता प्राप्त करते हुए तेरापंथ धर्मसंघ में अमिट छाप का मुद्रांकन किया है।

'अमग्गं परियाणामि मग्गं उवसंपज्जामी '
मैं उन्मार्ग को छोड़ता हूँ और सन्मार्ग पर आना चाहता हूँ।

आगम के इस वाक्य के अनुत्तर महत्त्व को आत्मीकरण करते हुए जीवन को आदर्श पथ पर प्रशस्त करने का कार्य विरले ही कर पाते हैं। ऐसे मंत्र पर अपेक्षिता अनुशीलन कर जीवन निर्माण का मंत्र मानना जितना सहज दर्शित होता है, आचरण में लाना उतना ही कठिन है। इसकी पृष्ठभूमि में संस्कारों के उद्भव, निर्माण और उन्नयन में प्रेरणा, प्रशिक्षण, परम्परा, पारिवारिक मूल्य और परिवेश का वैशिष्ट्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होता है। ऐसे जीवन–मंत्र को आत्मसात् करते हुए पांच दशक तक उसकी सम्यक् परिपालना एवं उच्चतम साधना आचार्यप्रवर की स्वतः स्फूर्त जागरूकता और तन्मयता का समीचीन परिचय है।

जीवन में आचार–विचार–व्यवहार को परिपक्वता प्रदान करने के सोद्देश्य से अपनी योग्यता, प्रतिभा एवं प्ररुचिता का निरन्तर विकास करना ही असाधारण वैयक्तिकता का द्योतक है। स्वयं को तराशना और दूसरों के जीवन को समन्नुत करना मनुष्य जीवन की सार्थकता है। सप्रयोजन इस मूल्यवत्ता को जीवन में गुणग्राह्य करने वाले ही औरों के जीवन में तेजस्विता प्रदान करते हैं। ऐसे महान आचार्य के संयम पर्याय के पांचवें दशक में प्रवेश करने पर अभिवन्दना, अभिवन्दना, अभिवन्दना।

कहा जाता है कि प्रतिभा पल्लवन के लिए भौगोलिक या पारिवारिक परिवेश कोई आत्यंतिक मायने नहीं रखता। बालक मोहन भी अपने पारिवारिक बन्धन एवं प्रतिकूल वस्तुस्थिति में भी आंतरिक जीवन–निर्माण के लिए उद्दिष्ट रहे। अष्टामाचार्य कालूगणी के स्वर्गारोहण ने आपश्री के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया एवं मुनिश्री सुमेरमलजी से मिले प्रतिबोध से जीवन को नई दिशा भी प्रदान हुई।

जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा श्रेष्ठ एवं महान व्यक्तियों के जीवन से ही मिलती है। कोई भी व्यक्ति जिसने अपने जीवन में हमेशा सही रास्ते पर रहते हुए महान उपलब्धियां हासिल की हो, वे हमारे लिए सदृश महान हैं। तेरापंथ धर्मसंघ का भण्डार सैंकड़ों चारित्रिक रत्नों से परिपूर्ण है। स्वयं के आत्म–कल्याण हेतु जीवन सर्वात्मना समर्पण करना, आज के परिप्रेक्ष्य में दुर्लभ दृश्य है। ऐसे भोग–व्याप्त वातावरण में स्वयं को निर्लिप्त रखते हुए स्व एवं पर के कल्याण हेतु कार्यरत रहना, इसका जीवन्त उदाहरण हमारे पूज्यप्रवर में देखा जा सकता है।

किसी के तेज, शोभा, प्रभाव या अन्य किसी भी गुण के अत्यन्त विकसित होने से ही वह व्यक्ति वन्दनीय बन जाता है। जहां तेज या प्रभाव है, वहां हम स्वतः नतमस्तक हो जाते हैं। पर ऐसा तेज और प्रभाव स्वतः ही उजागर नहीं होते, मनोयोग से जीवन में साधना को निहित करना होता है। आचार्यप्रवर के जीवन से वैयक्तिक चरित्र गठन की संजीवनी प्राप्त होती है। पुनश्चः ऐसे श्रमण महाश्रमण के साधुत्व जीवन के कल्याण महोत्सव पर सम्पूर्ण समाज की ओर से श्रद्धायुक्त अभिवन्दन।

ग्यारहवें पट्टधर को एक और विलक्षण मौका मिला तेरापंथ की नवम साध्वीप्रमुखा के मनोनयन का। कर्त्तव्यपरायण, सरस्वती वरद पुत्री साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी को पद पर सुशोभित कर आचार्यप्रवर ने धर्मसंघ के प्रति एक और कल्याणकारी कार्य किया। विलक्षण प्रतिभा एवं आगम संपादन में कौशल साध्वी को प्रमुखा पद पर प्रतिष्ठित कर आचार्य महाश्रमणजी ने चतुर्विध धर्मसंघ को नयनाभिराम उपहार दिया और विशेष कर महिला समाज को ऐसे चयन से उपहृत किया। साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के प्रमुखा पद पर चयन के प्रथम वर्षगांठ पर श्रद्धासिक्त अभिवन्दना संप्रेषित कर महिला मंडल अत्यन्त गौरवान्वित महसूस करता है।

श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी एवं श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी स्वस्थ एवं निरामय रहते हुए चिरायु–दीर्घायु हों, धर्मसंघ को अपना असीम सामीप्य प्रदान करते रहें, यही श्रद्धासिक्त शुभ भावना। पुनः दोनों के प्रति कृतज्ञता सहित अभिवन्दना। स्नेहाकांक्षी

नीलम सेठिया

अमृत पुरुष का अमृत महोत्सव

मुखर रही अभिवन्दना जन-जन में

(आचार्यप्रवर के दीक्षा कल्याण महोत्सव पर काव्यामृतम् काव्शाला से चयनित रचनाएं)

महा तपस्वी महा मनस्वी, महाश्रमण जय गुरुवरम्।
करें वन्दना अभिवन्दना, अमृत पुरुष चरणाम्बुजम्।।
अमृत महोत्सव का स्वर्णिम, अवसर है अमृतमय शुभम्।
करते है वर्धापन कुशल, नेतृत्व बहुश्रुत मुनिवरम्।
मन मोहिनी मूरत मोहन, नाम है अति सुन्दरम्।
मित भाषिता मृदु भाषिता, मुस्कान मधुरम् अधरम्।।
है लक्ष्य उच्च विचार उच्च, कर्तृत्व है तव उच्चतम।
नयनों से झरता है निरन्तर, शुद्ध शाश्वत अमृतम्।।
महावीर की अनुशासना, तुम शान हो जिन शासनम्।
महाप्रज्ञ तुलसी की कृति, तुमसे ही तेरापंथम्।।
करता है चारों तीर्थ नित उठ, भौर सायं वन्दनम्।
गुरुराज राज करो सदा, नभ में ज्यों शशधर भास्करम्।।

– सम्पत डागा, शिवकाशी

उज्ज्वल निर्मल आभामंडल, शीतलता जैसे चन्दन।
अमृत पुरुष के पावन चरणों में करते है हम वन्दन।।
तुलसी महाप्रज्ञ कृपा से, अनमोल रत्न है पाया।
मोहन से मुदित बनकर, भाग्य सितारा चमकाया।।
अनुशासन है गजब गुरु का, हौले–हौले सबको कसते।
जनता के मन में बसकर, मन्द मन्द मुसकाते रहते।।
अपनी किस्मत बहुत बड़ी, महाश्रमण गुरु को पाया।
नैतिकता, सद्भावना, नशामुक्ति का पाठ पढाया।।
मीठी वाणी अमृत जैसी, प्रवचन शैली है अलबेली।
प्रगति के शिखर पर बढ़ते, महिमा अतिशय है फैली।।
तुम ही हो आदर्श हमारे, तुम ही हमारे गण नेता।।
सन्मार्ग दिखाओ गुरुवर, बनें हम आत्म विजेता।।
गुरु के नयनों से अमृत, दिन–रात बरसता रहता।
तीर्थंकर सी छवि देखकर मन, उपवन है खिल जाता।।
दीर्घायु चिरायु रहो प्रभु, गूंज रहा धरती पर नारा।
अमृत महोत्सव अवसर पर, गुरुदेव को नमन हमारा।।

– प्रवीणा बांठिया अहमदाबाद

अमृत पुरुष के अमृत महोत्सव की घड़ियां हैं आई।
धरा और गगन में इंद्रधनुषी सतरंगी लहर है छाई।
शांत चित्त, चिंतन गंभीर, मुख पर रहती हरदम मंद मुस्कान।
स्वीकारो वंदन, करते अभिनंदन, संघ अलंकृत हे युगप्रधान!
मुनि सुमेरमलजी लाडनूं द्वारा सरदारशहर में हुई दीक्षा।
गिरीगढ़ में गुरु का मिला मंगल आशीर्वाद और शिक्षा।
संघ समर्पित रह गुरुद्वय के मन में बनाई विशिष्ट पहचान।
परिश्रमी, सुविनीत, महातपस्वी को मिला महाश्रमण नाम।
महाप्रज्ञ पट्टधर के सौ दीक्षाओं का किया स्वप्न साकार।
भूकम्प, कोरोनाकाल में जप–तप से मिटे सकल विकार।
सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति अलख हर मन में जगाई।
अणुव्रत यात्रा में अमृतमय देशना से हो रही जग भलाई।
जैनम् जयतु शासनम्, सांवत्सरिक एकता के सूत्रधार।
शनिवार सामायिक, सुमंगल साधना का मिला उपहार।
मुख्य मुनि, साध्वीवर्या पद, साहित्य– सृजन हैं गण उपकारी।
हे युगद्रष्टा! हे युगसृष्टा! महामनस्वी राज करो करोड़ दीवाली।

– आरती धाड़ेवाल, काठमांडू

ब्रह्मांड के वो अलख निरंजन, नेमा झूमर के लाल है मोहन,
भैरव शासन मे दीक्षित हुए ,आया आज अमृत महोत्सव करे अभिवंदन।
दो आचार्यों का मिला आशीष, जीवन का किया अनुशीलन और मंथन,
मंत्री मुनि से दीक्षा पा, मन मुदित मोहन से बने मुदित महान् वंदन।
समता सरलता सहजता तेरापंथ धर्म संघ के वो अनमोल वृष्टि बिन्दू,
गुरु तुलसी महाप्रज्ञ के आज्ञाकारी अद्भुत है इनका समय प्रबंधन।
साधना – वक्त –कर्म के प्रबंधन से संघ का कण–कण सुवासित हो रहा,
पदयात्रा कर दिया उन्होंने अणुव्रत, नैतिकता नशामुक्ति का नव चिंतन।
अमृत महोत्सव पर आओ उनके मर्यादित जीवन से कुछ सीखे हम,
आगम, धर्म के ज्ञाता सिंधु की एक बूँद में समाया है उनका विस्तृत दर्शन।
एकादश पटधर संघ के अमृत पुरुष तुम हो हमारे संघ सरताज,
मुदित से बने महाश्रमण आप शारदे के माथे का हो ब्रह्म चंदन।
अमृत महोत्सव, रजत महोत्सव, स्वर्ण महोत्सव हमें मनाना है,
हो मुस्कान हर चेहरे पर महाश्रमण की अमृत देशना से भीगता रहे मन।
अमृत अमिय अमिट धरोहर गुरुवर दर्शन को अभिलाषी रहते नयन,
ओजस्वी, मनस्वी, यशस्वी जय जय ज्योतिचरण को करे कोटिशः वंदन।।

– डॉ. राजमती पोखरना सुराना, भीलवाड़ा

प्राण प्यारे नैनों के तारे, जीवन नैया के खेवण हारे
गौरव गाते है, शीश झुकाते है, गुरुवर की चरण में
माँ नेमा झूमर के लाल दुलारे, घट घट के ज्ञाता नाथ हमारे
चरणों में पाते है दिव्य उजाला, आभा वलय का तेज निराला
प्रभुता निराली विभूता निराली, भाग्य से पाए यह गण माली
तेरी अनुशासन में बढ़ते ही जाए हम, तुलसी महाप्रज्ञ भाग्य विधाता
मंत्री मुनीश्वर दीक्षा प्रदाता, शासन गरिमा को शिखर चढ़ायें
जिन शासन का गौरव बढ़ायें, जाते बलिहारी हम सब आभारी
हर दिन हर पल मंगल कारी, दीक्षा दिवस पर प्रभु को बधाएँ हम

– ज्योति संजय गोयल, जावद

अमृत पुरुष का अमृत महोत्सव

मुखर रही अभिवन्दना जन-जन में

(आचार्यप्रवर के दीक्षा कल्याण महोत्सव पर काव्यामृतम् काव्शाला से चयनित रचनाएं)

सूर्य सा दृढ ओज लेकर तुम घरा पर उतर आए।
सींच–सींच श्रम के अंकुर को सफल हो नवनीत पाए।
दीप्ति का अभिमान तुमने, सौम्यता से सहज तोड़ा,
विनय का आलोक लेकर, साधना से नेह जोड़ा।
दिग दिगन जयघोष तेरा, आज मुखरित हो रहा है
विश्व का कल्याण करने, स्वयं अपना मार्ग मोड़ा।।
शुद्ध संयम साधना से, सुधारस का पान करते,
तुम अकिंचन आत्मबल से, त्रस्त जग की पीर हरते।
बाहर अंतर एक सा जीवन बनाकर जी रहे तुम,
मृदुलता का हाथ थामे, कलुषता पर विजय वरते।
अर्चना के पुष्प मेरे आर्यपद में स्थान पाए ।।
हुई प्रलम्ब अहिंसा यात्रा, राजकीय सम्मान पाए,
नशामुक्ति सद्भावना व नैतिकता के बिगुल बजाए।
नेपाल के भारी भूकम्प में भी तनिक नहीं घबराए,
कोरोना महामारी में भी, विभु ने अविरल चरण बढ़ाए।
अमृत पुरुष का अमृत महोत्सव, भावों से प्रभु को बधाएं।।

– सुशीला बाफना, कोयम्बत्तूर

अमृतमय जीवन है जिनका, अमृतमय जिनकी वाणी
अमृत महोत्सव अमृत पुरुष का, महाश्रमण गुरु कल्याणी।।
जन्म लिया सरदारशहर में दुगड़ कुल की आन वो,
नेमा मां का राजदुलारा, झूमर घर की शान वो।।
वैराग जगा मोहन के मन में, मंत्री मुनि से ली दीक्षा
साथ मिला दो–दो गुरुओं का और पाई अद्भुत शिक्षा।।
भैक्षव शासन की डोर मिली, चमका नभ में जो एक तारा
इस गण उपवन की छाया में, तेरापंथ बना एक ध्रुवतारा।
यात्रा अहिंसा में गुरु की, नैतिकता का श्रोत बहा
जीवन में हो प्रामाणिकता, उनका यह उद्देश्य रहा।।
बीता दीक्षा का अर्द्ध शतक, स्वीकार करो मेरा वंदन
हे महापुरुष इन चरणों में, वंदन है सबका अभिनंदन।।

– ज्योति चौपड़ा, बकानी

रोम रोम में पुलकित अमृत, सांस सांस में सुवासित अमृत
वाणी में अमृत सरिता मुखरित, 'महाश्रमण' सिंधु धरा पर अवतरित
सत्य अहिंसा दिव्य पुजारी, त्याग तपस्या जीवन बलिहारी
संयम का अविचल हिमालय, शांतिदूत परम अविकारी
गांव गांव गली गली, अहिंसा यात्रा निर्बाध चली
परस पांव धरती मुस्काई, हृदयाभूमि में खिली नव कली
चेहरे पर मुस्कान मनमोहक, मुदित नयन प्रेक्षा सम्मोहक
वरद हस्त में मंगल मंदाकिनी, तुलसी महाप्रज्ञ के उज्ज्वल आरोहक
हे युगप्रधान! ओजस्वी रत्नाकर, संघ क्षितिज के स्वर्णिम प्रभाकर
अमृत पुरुष का अमृत महोत्सव, करें अभिनंदन शीश झुकाकर।

– बबीता सुराना, पूर्वांचल कोलकाता

भावों के सागर से भर कर
शब्दों का गागर मैं लाई।
अर्पित करने उस अनुपमेय को
आस्था के चुन कुछ मोती लाई।
जय–जय ज्योतिचरण, जय जय महाश्रमण।
नेमा नंदन के चरणों से पावन हो जाता मिट्टी का कण–कण।
आशीर्वाद मुद्रा में जब उठे तव हस्त
ऊर्जामय हो जाता वह क्षण।
नयन युगल करुणा का निर्झर
रग–रग में बसा तुम्हारे श्रद्धा, सेवा और समर्पण।
तेरापंथ के कल्पतरु की वाणी से झरता ज्ञानामृत अविरल।
अमृत पुरुष का व्यक्तित्व
अहो! कितनो सौम्य–सरल।
अमृत पुरुष के अमृत महोत्सव पर
भक्ति सुमनों से करें हम अर्चना।
पौरुष के प्रतिमान तव इंगित पाकर
पुरुषार्थ से करें नित नव सर्जना।

– डॉ. सारिका दुगड़, गुवाहाटी

पारस मणि सा व्यक्तित्व लेकर, हिमगिरि सी ऊंचाई ।
सूरज सा तेज लिए और सागर की गहराई ।
हे महापुरुष हे ज्योतिर्पुंज, हे करुणानिधान ..।
गतिमान चरण सरिता बन, युग प्रधान तुमको प्रणाम।।
जिनके प्रवचन से मुखरित, नव तत्त्वों का मंथन।
जिनके चारित्र में सज्जित, आगमों का ग्रंथन।
जिनकी चर्या से शोभित, जनकल्याण का चिंतन।
जिनके जीवन से गुंजित, समतारस का अनुचिंतन।।
बिंदु को महा सिंधु बनाने की कला जानते हैं आप ।
जन जन को सिद्ध ,बनने की राह दिखाते हैं आप।
आपके उपकार असीम है, ससीम हमारी क्षमता है।
ज्ञान के आलोक से, अज्ञान तम को मिटाते हैं आप।।
अमृतमय है वाणी आपकी, अमृतमय जीवन सारा।
अमृत नीर बरसाए सब पर, मिटा दे कर्मों की कारा ।
ज्योति चरण की ज्योति से, रोशन है ये संघ सारा।
दशों दिशाएं गूंज रही है, स्वीकारो वंदन हमारा ।।

– कविता श्रीश्रीमाल, अजमेर

आचार्य श्री महाश्रमणजी के संयम पर्याय के 50वें वर्ष प्रारम्भ पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा उपहृत आध्यात्मिक भेंट

तत्त्वसंबोध

Exploring the unknown through the known

अपनी तेजस्विता, विद्वता, पुरुषार्थ, साधना और समय प्रबन्धन से परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी ने विश्व में अपना विशिष्ट स्थान अर्जित किया है। संस्थागत आध्यात्मिक आयामों को अपना आशीर्वाद प्रदान करने वाले पूज्यप्रवर के संयम पर्याय के कल्याण महोत्सव प्रारंभ पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल 'आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना' के अन्तर्गत देश भर में 'तत्त्वसंबोध' प्रकल्प प्रारम्भ कर रहा है। इस प्रकल्प के तहत 50 सेन्टर खोलने की भेंट अभातेममं आचार्यप्रवर को उपहृत कर रहा है। इन 50 सेन्टर के माध्यम से सम्पूर्ण श्रावक समाज को उनके ही क्षेत्र में तत्त्वज्ञान और संबंधित विषयों का प्रशिक्षण नियमित दिया जाएगा। इस प्रकल्प का उद्घाटन विभिन्न क्षेत्रों में 4 मई 2023 को किया जा रहा है।

'तत्त्वसंबोध' प्रकल्प के सेन्टर संचालन के मुख्य बिन्दु इस प्रकार होंगे :–

- साप्ताहिक कक्षाओं का नियोजन होगा।
- तत्त्वप्रचेता, तेरापंथ दर्शन प्रचेता एवं जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाली बहनें प्रशिक्षिका के रूप में अपनी सेवाएं देंगी।
- यह प्रवृत्ति स्थाई रूप से संचालित होगी।
- अभातेममं द्वारा संचालित 'आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना' के अन्तर्गत पाठ्यक्रम से जुड़ने की प्रेरणा दी जाएगी।
- जो श्रावक–श्राविका केवल ज्ञानार्जन करना चाहें, वे भी इन सेन्टर से लाभान्वित हो सकेंगे।

दीक्षा कल्याण महोत्सव के उपलक्ष्य में 'तत्त्वसंबोध' सेन्टर अधोलिखित हैं :–

हुब्बल्ली	शिलाँग	रायपुर	बेंगलुरु आर.आर. नगर	बेंगलुरु विजयनगर	बेंगलुरु यशवन्तपुर	बेंगलुरु गांधीनगर	बेंगलुरु राजाजी नगर	बेंगलुरु टी.दासरहल्ली	मुंबई कांदिवली
मुंबई घाटकोपर	मुंबई ठाणे	मुंबई कालबादेवी	मुंबई वसई	कोलकाता पूर्वांचल	कोलकाता साउथ	जयपुर शहर	जयपुर सी–स्कीम	हावड़ा साउथ	हावड़ा उत्तर
विशाखा पट्टनम	औरंगाबाद	गंगाशहर	नाथद्वारा	अहमदाबाद	दिल्ली	जलगाँव	वापी	पुणे	उदयपुर
चिकमगलूर	लुधियाना	कोयम्बत्तूर	कांकरोली	टॉलीगंज	बालोतरा	राजनगर	चेन्नई	जबलपुर	सूरत
उधना	सेलम	डूँगरी	लाडनूँ	शहादा	ईरोड़	सरादारशहर	हैदराबाद	मैसुरु	पिंपरी चिंचवड़

सुरमय अभिवन्दना स्वर

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी

चयन दिवस पर सादर समर्पित

ॐ श्री महावीर देवाय नमः
ॐ श्री भैक्षवगणनाथाय नमः
नन्दनवन शासन मिला, हर पल मलय बयार।
तेरापंथ प्रथमेश की, गूंजै जय-जयकार।
एक-एक से दीपते, हुए सकल गणिराज।
झूमर कुमल के मुकुटमणि, महाश्रमण गुरुराज।।

हम महिमा गाएं सरोज सविता अभिधान की।
जय देव जंवरी मोदी कुल की शान की।

जम्बू दीपे, भरत खण्डे, आर्यावर्ते, भारतवर्षे
एक नगरी है विख्यात चंदेरी नाम की।
यही जन्मभूमि है विश्रुतविभा महाराज की
यही जन्मभूमि है प्रमुखाश्री महाराज की।

मृगसर सुद पंचमी दिन आया
मां भंवरी का घर महकाया
कुंभ राशि की कन्या आई
सरोज बिटिया मन को भाई।
बचपन से धार्मिक संस्कारी
तेरह भाई बहिनां सुखकारी।
सति चन्द्रलेखा की शिक्षा प्यारी
त्याग मार्ग है शिव सुखकारी।

बचपन से ही मन में ठाना
त्याग मार्ग पर कदम बढ़ाना
हम स्वागत करते वीतराग अभियान का।
जय देव जंवरी मोदी कुल की शान का।
फौलादी संकल्प तव सफल हुए अरमान
तुलसी गुरुवर चरण शरण में समणी दीक्षा अभियान
बने नियोजिका सुखदाई प्रथम विदेश यात्रा मन भाई
समणी से साध्वी बनकर साध्वीप्रमुखा शिक्षा हितकर

महाप्रज्ञ चरण शरण में
रहें हमेशा साथ
मुख्य नियोजिका जी बने
गुरु कृपा साक्षात्

महाश्रमण कृपा मनहारी
महाप्रज्ञ वाङ्मय संपादन
सचमुच हितकारी
वैशाख शुक्ला चौदस का
शुभ दिन है आया
साध्वीप्रमुखा बने
संग में देते हम बधाइयाँ

सागर सम गहरी गहराई
मेरु सम ऊंची ऊंचाई
जीवन तेरा सदा बहार
गुण मणियों का है भण्डार

चयन दिवस ये तुम्हें मुबारक
खुशियों का आया यह उत्सव
रहो निरामय करें कामना
वरो विजयश्री मंगलभावना
हम करें अभिनन्दन मोदी कुल की शान का
जय देव जंवरी मोदी कुल की शान का

पूर्वांचल कोलकाता द्वारा जैनधर्मोस्तु मंगलम्

दि. 27 अप्रैल 2023 को मुनिश्री जिनेशकुमारजी की पावन सन्निधि में अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं पूर्वांचल कोलकाता द्वारा जैनधर्मोस्तु मंगलम् सेमिनार का भव्य आयोजन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, उपाध्यक्ष वरिष्ठ श्रीमती सरिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, संरक्षिका श्रीमती तारा सुराणा, ट्रस्टी डॉ. सूरज बरड़िया, ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद, ट्रस्टी श्रीमती ज्योति जैन, परामर्शक श्रीमती संतोष चौरड़िया, परामर्शक श्रीमती लता गोयल, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, रा.का.स. श्रीमती बबीता भूतोड़िया, रा.का.स. श्रीमती अनुपमा नाहटा, रा.का.स. श्रीमती संगीता बाफना की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिश्री जिनेशकुमारजी के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ। गुरु को समर्पित संस्कृत वंदना की प्रस्तुति स्थानीय तेममं ने की। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती श्वेता डाकलिया ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्थानीय तेममं सदस्याओं द्वारा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना गीत का सुमधुर मंगलाचरण किया गया।

चीफ ट्रस्टी ने अपने वक्तव्य में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के पाठ्यक्रम के साथ जुड़ने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए उसे अपनाने की प्रेरणा दी। जैन स्कॉलर निदेशिका डॉ. मंजू नाहटा ने शुभकामना संदेश प्रेषित करते हुए किताबी ज्ञान को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने प्रबल वक्तव्य से परिषद् को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के उद्देश्य को उल्लेखित करते हुए कहा कि तत्त्वज्ञान को सरलता से प्रस्तुत करना चाहिए। तत्त्वज्ञों को नई विधाएं अपनाकर धर्म का प्रचार करना चाहिए ताकि जन-जन उसे अपना सके। विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भी जैन धर्म को समझना चाहिए।

मुख्य वक्ता श्रीमती राजुल मणोत ने Real Approach to Jain Metaphysics विषय पर वक्तव्य देते हुए अनेकांत के दृष्टिकोण को अपनाने पर बल देते हुए आठ कर्मों की विवेचना की।

प्रमुख वक्ता शांतिनिकेतन से पधारे संस्कृत और प्राकृत के प्रो. डॉ. जगतराम भट्टाचार्य ने जैन धर्म के प्रचार में विद्वानों की विशिष्ट भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि महाव्रत का पालन ना कर सके तो अणुव्रत का पालन अवश्य करें। उन्होंने श्रावक के कर्त्तव्यों की भी विवेचना की।

मुनिश्री कुणालकुमारजी ने सुमधुर गीतिका का संगान किया । मुनिश्री परमानंदजी ने अपने उद्बोधन में हर आत्मा में परमात्मा बनने की क्षमता पर प्रकाश डाला। मुनिश्री जिनेशकुमारजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैन धर्म की महत्ता को उल्लेखित करते हुए फरमाया कि परिग्रह अधर्म का मूल है। जैन धर्म जातिवाद पर विश्वास नहीं करता, इसलिए व्यक्ति की नहीं, गुणों की पूजा की जाती है।

जिज्ञासा समाधान सत्र में जन-साधारण की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी द्वारा कन्याओं को संस्कारी बनाने के लिए 'द पावर ऑफ प्रतिक्रमण' का आगाज भी किया गया। कार्यक्रम में कोलकाता, हावड़ा, उपनगर एवं सैंथिया के समस्त संस्थाओं के अध्यक्ष, मंत्री एवं उनकी टीम तथा तत्त्वज्ञ भाई-बहनों सहित लगभग 800 से अधिक संभागियों ने उपस्थिति दर्ज की। अभातेममं ने तेममं पूर्वांचल कोलकाता को साधुवाद देते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

स्थानीय मंत्री श्रीमती बिंदु बोथरा ने आभार ज्ञापित किया एवं क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती रमण पटावरी ने संचालन किया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती अंजू दुगड़, श्रीमती जया बोथरा एवं श्रीमती वीणा सिंघी एवं पूरी टीम का अथक परिश्रम रहा।

उड़ान... उमंगों की

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

अर्थात् माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है और माता के समान कोई प्रिय व्यक्ति नहीं है। भारत में हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है मां हमारी पहली शिक्षक और पहली दोस्त होती है। हमारी मां हमारे लिए सुरक्षा कवच की तरह होती है, क्योंकि वह हमें सभी परेशानियों से बचाती है। हम यह सुनिश्चित करें कि हम हर दिन मां के लिए विशेष दिन बनाएं और हर दिन मां के प्रति प्यार और कृतज्ञता को व्यक्त करते रहें।

करणीय कार्य - मई 2023 : अटूट बंधन माँ-बेटी का Collage

मां और बेटी का रिश्ता दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता होता है। एक मां अपनी बेटी की कोई भी बात बिना बोले ही समझ जाती है। उसकी हर समस्या का समाधान भी आसानी से निकाल देती है। मां ही बच्चे की पहली रोल मॉडल होती है। बेटी अपनी मां की परछाई होती हैं। बेटियां जब पढ़-लिखकर माता-पिता का नाम रोशन करती हैं तो सबसे ज्यादा खुशी मां को होती है। मई माह के करणीय कार्य में इस खास मौके पर कन्याएं माँ के साथ हुए अपने खट्टे-मीठे अनुभव कार्यशाला में साझा करें एवं माँ के साथ के साथ विभिन्न फोटो का collage बनाएं। अपने क्षेत्र की best collage की फोटो 9810011500 पर 25 मई 2023 तक अवश्य भेजें।

करणीय कार्य - मई 2023 : श्री महाश्रमण गुरवे नमः की एक माला

यह इस युग का सौभाग्य है कि इस युग की कोख से आचार्य महाश्रमण जैसे विरल आराध्य का अवतार हुआ है। सरदारशहर की पुण्य धरा पर बालक मोहन ने वैराग्य रंग ओढ़ा और वि.सं. 2031 वैशाख शुक्ला चतुर्दशी के दिन आचार्य तुलसी की अनुज्ञा से मुनिश्री सुमेरमलजी 'लाडनूं' के कर कमलों से दीक्षा ग्रहण कर आत्मकल्याण व मानवता के कल्याण के लिए समर्पित हो गये।

दीक्षा व्रतों का संग्रह है। दीक्षा अनंत की यात्रा है। अध्यात्म साधना का पथ है। यह एक पवित्र संस्कार है। बालक मोहन से मुदित और मुदित से महाश्रमण का सफर अद्भुत एवं अनुसरणीय है। आचार्यश्री महाश्रमणजी शांति, शक्ति, सादगी की विमूर्ति है जो मानवीय आकृति में ईश्वरीय आभा की झलक है। आचार्य प्रवर युग-युगों तक संघ की शासना करते रहें, यही संघ की शुभ भावना है।

मई माह में गुरुदेव महाश्रमणजी के दीक्षा का 50वाँ वर्ष प्रारम्भ हो रहा है। हम उनकी विशेषताओं की अभिवंदना करते हैं। उनकी विनम्रता सरलता निर्मलता बेजोड़ है। अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल आचार्य श्री के दीक्षा दिवस पर उनके बहुआयामी प्रखर व्यक्तित्व की स्तुति वंदना करता है।

अतः इस माह सभी कन्याएं 'श्री महाश्रमण गुरवे नमः' की एक माला जरूर फेरें।

अर्चना भण्डारी
कन्या मंडल प्रभारी, मो. 98100 11500

NURTURING FUTURE LEADERS
(Zoom Workshop)
मई माह की कार्यशाला

रायपुर कन्या मंडल
रविवार, दि. 7 मई 2023 को
प्रातः 11 से मध्यान्ह 12.30 बजे तक आयोजित
विषय – Mobile Photography Tips & Tricks
Speaker : Mr. Mukesh Vyas
(Award Winning Wedding Photographer & Filmer)

उत्तर हावड़ा कन्या मंडल
रविवार, दि. 28 मई 2023 को
प्रातः 11 से मध्यान्ह 12.30 बजे तक आयोजित
विषय – Become the better version of Yourself
Speaker : Samani Malay Pragyaa Ji

कन्या मंडल

POWER OF PRATIKRAMAN
श्रावक प्रतिक्रमण
(मई 2023 से अक्टूबर 2023)

अपने दैनिक जीवन में अज्ञान वश या प्रमाद के कारण भूलें हो जाती है। स्वीकृत नियमों का अतिक्रमण हो जाता है या सूक्ष्म जीवों की हिंसा हो जाती है। कई बार हम जाने–अनजाने अपने मन, वाणी या क्रिया से किसी के हृदय को कष्ट पहुंचा देते हैं। इन सबसे हमारी आत्मा पर कर्मों का आवरण आ जाता है और वह मलिन हो जाती है।

प्रतिक्रमण एक ऐसा उपाय है जिससे हम आत्मा की कलुषता को कम कर सकते हैं और उसे शुद्ध बना सकते हैं। इस प्रक्रिया से हमारे अंदर क्षमा मांगने और क्षमा करने की क्षमता का भी विकास होता है, जिससे हमारे व्यवहार में निर्मलता आती है। प्रतिक्रमण, आत्मा का स्नान है जिससे कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मा की स्वच्छता और शुद्धता प्रबल होती है। लेकिन सही जानकारी के अभाव में और भाषागत कठिनाई के कारण इसके प्रति नई पीढ़ी का झुकाव कम होता जा रहा है।

अत: अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वावधान में कन्याओं के लिए एक उपक्रम तैयार किया है–

Power of Pratikraman- **श्रावक प्रतिक्रमण**

इसमें छ: महीने तक प्रति महीने एक कक्षा में प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे 6 महीनों में कन्याएं सम्पूर्ण प्रतिक्रमण सीख सकें। यह प्रशिक्षण ज़ूम पर दिया जाएगा और व्हाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से अन्य जानकारी दी जाएगी।

प्रशिक्षण प्रदाता : समणी मलयप्रज्ञाजी

संयोजिका : श्रीमती जया बोथरा – श्रीमती प्रेम सेखानी

POWER OF PRATIKRAMAN - श्रावक प्रतिक्रमण
समयसारिणी

दिनांक	समय	सूत्र	व्रत/अतिचार	अन्य
13.05.2023	रात्रि 8.05 बजे	1. नमस्कार सूत्र 2. सामायिक प्रतिज्ञा 3. वंदन विधि 4. मंगल सूत्र 5. प्रतिक्रमण प्रतिज्ञा 6. ईर्यापथिक सूत्र	ज्ञान दर्शन	प्रतिक्रमण कब? क्यों?
10.06.2023	रात्रि 8.05 बजे	1. कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा 2. कायोत्सर्ग सूत्र	चारित्र – श्रावक के बारह व्रत/ अतिचार 1. अहिंसा 2. सत्य 3. अस्तेय	
08.07.2023	रात्रि 8.05 बजे	1. शक्र स्तुति 2. अभ्युत्थान सूत्र	4. स्वदार संतोष 5. इच्छा परिमाण 6. दिग्व्रत	
12.08.2023	रात्रि 8.05 बजे	1. प्रायश्चित सूत्र 2. आलोचना सूत्र	7. उपभोग परिभोग	
09.09.2023	रात्रि 8.05 बजे	1. वंदना सूत्र	8. अनर्थदंड विरमण 9. सामायिक 10. देशावकाशिक	
14.10.2023	रात्रि 8.05 बजे	1. चतुर्विंशति स्तव 2. 18 पाप 3. क्षमा याचना सूत्र 4. जीव योनि	11. पौषधोपवास 12. यथासंविभाग 13. संलेखना	प्रतिक्रमण की संपूर्ण विधि

राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन

23-24-25 जुलाई 2023 - मुम्बई में

कन्या मंडल

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 23-24-25 जुलाई 2023 को मुंबई में समायोजित है। अपने जीवन के उच्च निर्माण में एक कदम और आगे बढ़ें, इसी शुभ भावना के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तेरापंथी कन्याओं को कन्या अधिवेशन में आमंत्रित करता है। अधिवेशन में अधिकाधिक संख्या में संभागी बन इसे ऐतिहासिक बनाएं।

कन्या अधिवेशन हेतु ध्यातव्य बिन्दु

* बड़े क्षेत्रों से अधिकतम 5 एवं छोटे क्षेत्रों से अधिकतम 3 कन्याएं ही भाग ले सकती है।
* प्रत्येक क्षेत्र से कन्या मंडल प्रभारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

संभागियों हेतु ध्यानार्थ

01. अधिवेशन हेतु पंजीकरण 23 जुलाई 2023 प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ होगा।
02. शुल्क प्रति संभागी : ₹ 1100
03. अपना मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
04. अधिवेशन संभागी अपना पूर्ण विवरण गूगल फॉर्म https://forms.gle/gRE7FNzs8aN1ooZ87 पर प्रेषित करें।
05. प्रत्येक कन्या शाखा मंडल के साथ शाखा कन्या प्रभारी की उपस्थिति अनिवार्य है।
06. सम्पूर्ण अधिवेशन में कन्याओं को कन्या मंडल की यूनिफॉर्म में तथा कन्या मंडल प्रभारी को महिला मंडल के यूनिफॉर्म में रहना अनिवार्य है।
07. ओढ़ने-बिछाने का सामान एवं सामायिक उपकरण साथ लेकर पधारें।
08. 25 जुलाई 2023 को मध्यान्ह 12 बजे पश्चात् मुंबई प्रवास स्थल से अपने प्रस्थान का कार्यक्रम सुनिश्चित करें।

अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें :

कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी

मो. 98100 11500

उर्वी

मुखरित दीवारें

G20 के अन्तर्गत C20 में अभातेमम के चयन होने पर कन्या मंडल को विद्यालय, पॉर्क, अस्पताल एवं अन्य सार्वजनिक स्थल की दीवारों पर अधोलिखित विषय में से संदेशात्मक कलाकृति बनाकर नगर सौंदर्य में अभिवृद्धि करने का कार्य दिया गया था।

#Lifestyleforenvironment (LiFE)

1. Save Water
2. Save Energy
3. पर्यावरण संरक्षण
4. स्वच्छ भारत अभियान
5. Prevent Global Warming
6. Green India

दीवारों की पेंटिंग में अभातेमम, G20 एवं C20 का 'लोगो' भी दर्शाए गए। कई कन्या शाखा मंडलों ने इस कार्य को अत्यन्त सुन्दर तरीके से सम्पादित किया। अब तक अधोलिखित क्षेत्रों से 'उर्वी' की रिपोर्ट प्राप्त हुई है :-

01.नोखा	02.गुलाब बाग	03.बालोतरा	04.पचपदरा
05 .जसोल	06.भीलवाड़ा	07.रायपुर	08.दिल्ली
09.पर्वत पाटिया	10.पाली	11.काठमांडू	12.सुजानगढ़
13.उधना	14.कांकरोली	15.कोयम्बत्तूर	16.चेन्नई
17. नोएडा	18.राजनगर	19.बारडोली	20.मुम्बई
21.कालू	22.उत्तर हावड़ा	23.गंगाशहर	24.कामरेज
25.सफाले	26.इंदौर	27.हैदराबाद	28.विजयनगर, बेंगलुरु
29. साउथ हावड़ा	30.लूणकरणसर	31.लिम्बायत	32.धुबड़ी
33.बीदासर	34.अहमदाबाद	35.पुणे	36.विशाखापट्टनम्
37.मैसूरु	38. देशनोक	39. टी.दासरहल्ली, बेंगलुरु	40.इचलकरंजी
41.पालघर	42.हनुमन्तनगर	43.साउथ कोलकाता	44.जयपुर सी स्कीम
45.सूरत	46.मध्य कोलकाता	47.आर.आर. नगर, बेंगलुरु	

उपरोक्त कन्या मंडल को हार्दिक साधुवाद।

लाडनूँ

आधारशिला
युवती शिविर

दि. 8–9 अप्रैल 2023 को 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी की पावन सन्निधि में अभातेममं के 'स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज' योजना के अंतर्गत दो दिवसीय युवती शिविर 'आधारशिला' का आयोजन लाडनूँ में किया गया।

'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी महिला मंडल की बहनों को उन्नयन के मार्ग पर प्रशस्त करने हेतु सदैव चिन्तनशील रहती है। भावी पीढ़ी को भी अध्यात्म से जोड़ने हेतु ऐसे शिविर की परिकल्पना 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी द्वारा की गई। साध्वीश्रीजी के प्रति अनन्त कृतज्ञता।

शिविर का शुभारम्भ 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी के नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। अलग–अलग सत्रों में विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करते हुए साध्वीश्रीजी ने बताया कि महिलाएं घर और परिवार की आधारशिला है। वे घर की केंद्र बिंदु है, अतः परिवार को जोड़कर रखना तथा बच्चों में सही संस्कार पोषित करने की जिम्मेदारी महिलाओं पर है। जीवन शैली को स्वस्थ रखते हुए रिश्तों के धरातल को प्राणवान बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर में खुले मंच का आयोजन भी किया गया जिसमें शिक्षा व संस्कारों का संतुलन बनाना, बुजुर्गों का सम्मान बनाए रखना, बुजुर्गों के अनुभव एवं नई पीढ़ी की सोच के बीच संतुलन बिठाना आदि अनेक विषयों पर खुली चर्चा हुई। युवती बहनों की जिज्ञासाओं के समाधान साध्वीश्रीजी द्वारा दिए गए।

समणी कुसुमप्रज्ञाजी द्वारा 'आहार विज्ञान और स्वास्थ्य' पर प्रभावी प्रशिक्षण दिया गया। समणी श्रेयसप्रज्ञाजी द्वारा ध्यान के प्रयोग करवाए गए। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने 'बने संस्था के सजग प्रहरी' विषय पर, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने 'परिवार संचालन' विषय पर, रा.का.स. श्रीमती सुनीता जैन ने 'रिश्तों का पासवर्ड' विषय पर प्रशिक्षण दिया।

उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा द्वारा विविध रोचक प्रतियोगिता करवाई गई। चेन्नई से समागत योग प्रशिक्षक श्रीमती बबीता जैन द्वारा विविध रोगों के निवारण हेतु आसनों के प्रयोग बताए गए एवं स्वस्थ शरीर हेतु आहार की जानकारी दी गई।

संभागियों को जैन विश्व भारती के सुरम्य प्रेक्षाध्यान सेन्टर में प्रेक्षाध्यान का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अभातेममं द्वारा निर्मित तुलसी स्मारक के निर्मल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में संभागियों ने सामायिक की। शिविर में अहमदाबाद, दिल्ली एवं नोएडा से कुल 35 बहनों ने सहभागिता दर्ज की। समस्त संभागियों ने ऐसे शिविर के आयोजन हेतु साध्वीश्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा भविष्य में ऐसे शिविर आयोजना हेतु निवेदन किया।

मंजिलें

दि. 8.4.2023 को 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी के पावन सान्निध्य में अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं लाडनूं द्वारा 'मंजिलें' कार्यशाला का आयोजन हुआ।

साध्वीश्रीजी द्वारा नमस्कार मंत्र के उच्चारण से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। स्थानीय बहनों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया की विशिष्ट उपस्थिति में ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं रा.का.स. श्रीमती उषा जैन की गरिमामय उपस्थिति रही।

स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रीति घोषल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया कि मंजिल को पाने के लिए अपनी सोच में सकारात्मक भावों को रखें। साध्वीश्री शशिप्रभाजी ने सकारात्मक सोच के बारे में फरमाते हुए कहा कि खुश रहने के लिए सोच को सकारात्मक बनाना बहुत ही जरूरी है। 'शासन गौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी के प्रेरक उद्बोधन ने महिलाओं में सदैव उन्नयन करने की क्षमता प्रदान की है। साध्वीश्री के प्रति अनन्त कृतज्ञता।

ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने कहा कि कार्यशाला का नाम मंजिलें इसलिए रखा गया क्योंकि केवल एक मंजिल पाना हमारा लक्ष्य नहीं है। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने कहा कि तेरापंथ महिला मंडल संस्था का एकमात्र लक्ष्य है नारी समाज एवं आध्यात्मिक विकास करना। संविधान संबंधी जानकारी भी बहनों को प्रदान की। उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने कुछ पंक्तियों के माध्यम से मंजिलें के बारे में बताया। तेममं लाडनूँ की बहनों ने कोशिश, हौसला, हुनर, पक्का इरादा, जिद कामयाबी की आदि बिंदुओं के बारे में अपने भावों की प्रस्तुति दी। श्रीमती राजू पगारिया ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। सुजानगढ़, बीदासर, छापर, राजलदेसर एवं छोटी खाटू से लगभग 95 महिलाओं की संभागिता रही। आभार ज्ञापन उपमंत्री श्रीमती राज कोचर ने किया। संचालन मंत्री श्रीमती नीता नाहर ने किया। कार्यशाला में श्राविका गौरव डॉ. माणक कोठारी, सुश्री कमला कठोतिया, उपासिका डॉ. सुशीला बाफना, मुमुक्षु डॉ. शांताबाई की गरिमामय उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

पूज्यप्रवर के पावन सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का राष्ट्रीय अधिवेशन मुंबई में 7–8–9 अक्टूबर 2023 को समायोजित है। सम्पूर्ण जानकारी नारीलोक के आगामी अंक में प्रेषित की जाएगी।

मुंबई

दि. 2.4.2023 को अभातेममं के निर्देशन में तथा तेममं मुंबई के तत्त्वावधान में तेकमं मुंबई द्वारा 'उर्वी मुखरित दीवारें' का अनावरण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता तथा महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा की गरिमामय उपस्थिति में किया गया।

इस कार्य हेतु पूर्व में पेंटिंग कंपटीशन आयोजित की गई एवं चयनित पेंटिंग्स को वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे की दीवार पर प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ 'शासन श्री' साध्वीश्री विद्यावतीजी (द्वितीय) की सहवर्तिनी साध्वीवृंद द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। स्थानीय अध्यक्षा श्रीमती रचना हिरण ने पधारे हुआ सभी अतिथियों का स्वागत किया। कोरपोरेटर श्रीमती सुनिताजी यादव ने बधाई देते हुए खुशी व्यक्त कि की यह काम उनके वार्ड में हो रहा है। श्री सागर ठाकुर ने महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए मुंबई महिला मंडल और कन्यामंडल के कार्यों की सराहना की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने बताया कि उर्वी की परिकल्पना कन्यामंडल के श्रम के माध्यम से मूर्त रूप ले रही है। मुम्बई के हाईवे पर 270 फीट की दीवार को कलाकृति से रंगना अपने आप में श्रमसाध्य कार्य है। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पंकज ओस्तवाल ने भी कन्याओं के कार्यों की प्रसंशा करते हुए बधाइयां प्रेषित की। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी ने कहा की मुंबई कन्यामंडल सदा हर कार्य को अलग अंदाज में क्रियान्वित करता है। कार्यक्रम में मुंबई सभा मंत्री श्री दीपक डागलिया सहित सराहनीय उपस्थिति रही। संचालन स्थानीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती जूली मेहता ने किया।

Zenith
कन्या मंडल कार्यशाला

दि. 2.4.2023 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं महिला मंडल के निर्देशन में तेकमं मुंबई द्वारा 'शासन श्री' साध्वीश्री विद्यावतीजी (द्वितीय) के सान्निध्य Zenith - Multi Generational Talk Show का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, श्रीमती प्रकाश तातेड़, श्रीमती बिमला नाहटा, श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती तरुणा बोहरा, श्रीमती निर्मला चिंडालिया, की गरिमामय उपस्थिति रही।

साध्वीश्रीजी के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्थानीय तेकमं द्वारा मंगलाचरण पश्चात् स्थानीय कन्यामंडल प्रभारी श्रीमती जूली मेहता ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण ने अध्यक्षीय वक्तव्य दिया। पेनेलिस्ट का परिचय स्थानीय कन्यामंडल संयोजिका सुश्री किंजल संचेती, सह संयोजिका सुश्री काजल मादरेचा ने दिया।

पेनेलिस्ट सुश्री प्रियांबी हिरण, सुश्री क्षमा कोठारी, सुश्री स्मिति जैन, सुश्री ध्वनि सिंघवी और सुश्री रुचि बोराणा का परिचय कन्यामंडल संयोजिका सुश्री किंजल संचेती, सह संयोजिका सुश्री काजल मादरेचा ने दिया। पैनलिस्ट ने अपनी विकास यात्रा के विभिन्न पायदानों से अवगत कराया। डंका न्यूज़ चैनल से श्री प्रतीक सोनी के साथ हुई चर्चा ने कन्याओं को सपने देखने और उन्हें सच करने का हौसला रखने के लिए प्रेरित किया। कन्यामंडल सह प्रभारी नूतन लोढ़ा ने सभी पैनलिस्ट का आभार ज्ञापन किया। लगभग 300 कन्याओं की सराहनीय उपस्थिति रही।

अभातेममं के प्रतिनिधि मंडल की महाराष्ट्र राज्यपाल महामहिम श्री रमेश बैस से शिष्टाचार भेंटवार्ता

दि. 1.4.2023 को मुंबई में गर्वनर हाउस में महाराष्ट्र राज्यपाल महामहिम श्री रमेश बैस द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया की उपस्थिति में 'उर्वी... मुखरित दीवारें' के पोस्टर का अनावरण किया गया एवं उर्वी प्रोजेक्ट की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'अमृतम्' की प्रति की भेंट की। उक्त भेंटवार्ता में ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश तातेड़, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, रा.का.स. श्रीमती निर्मला चिंडालिया की सहभागिता रही। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण एवं मंत्री श्रीमती अल्का मेहता के सार्थक श्रम को साधुवाद।

आगमोत्सव एवं स्वस्तिकोत्सव में अभातेममं कार्यकारिणी सदस्यों की सहभागिता

तेममं मुंबई द्वारा गत 18 महीनों से संचालित 11 आगमों के स्वाध्याय का समापन दि. 1.4.2023 को 'आगमोत्सव' के रूप में किया गया। कन्या मंडल द्वारा 'स्वस्तिकोत्सव' का भव्य आयोजन भी हुआ। इस अवसर पर अभातेममं के पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यगण ने उपस्थिति दर्ज की। तेममं मुंबई को आध्यात्मिक कार्यों के सम्पादन हेतु हार्दिक साधुवाद।

REVIVAL घो.वि.पू.लि.
पुरानी ढालों का पुनरावर्तन

गुरुदेव द्वारा इंगित पुरानी ढालों के पुनरावर्तन हेतु अभातेममं के तत्त्वावधान में अध्ययन का क्रम 16 जनवरी से फरवरी अन्त तक प्रति सप्ताह पांच दिन तक चला। इस अध्ययन में 'प्राणी समकित किण विध', 'कर्मों की सज्झाय', 'अठारह पाप' एवं 'दस दान' ढालों को अर्थ सहित विवेचन करते हुए पुनरावर्तन कराया गया। दि. 28.2.2023 को गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रथम चरण की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 274 बहनों ने भाग लिया और निम्नोक्त बहनों ने अर्हता प्राप्त की:

- श्रीमती लीला श्रीश्रीमाल, ब्यावर
- श्रीमती प्रेम सेखानी, नोएडा
- श्रीमती संगीता वीरानी, चित्तौड़गढ़
- श्रीमती सुमन बैद, पर्वत पाटिया
- श्रीमती जया बोथरा, पूर्वांचल कोलकाता
- श्रीमती कविता लोढा, नोएडा
- श्रीमती सरिता नाहटा, तेजपुर
- श्रीमती सरोज धारीवाल, काठमांडू

इन्हीं चार पुरानी ढालों के आधार पर एक और टेक्निकल प्रतियोगिता दि. 6.4.2023 से दि. 10.4.2023 तक आयोजित की गई। प्रतिदिन एक ढाल पर आधारित प्रश्न पूछे गए। चार दिन तक आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिदिन लगभग 270 प्रतियोगियों ने सहभागिता दी। प्रतिदिन के टॉप 5 का चुनाव कर 20 विजेताओं को फाइनल राउण्ड खिलाया गया। फाइनल राउण्ड के विजेता रहे :–

प्रथम – श्रीमती चेतना चोपड़ा, बालोतरा
द्वितीय – श्रीमती मुस्कान धाकड़, मुंबई
तृतीय – श्रीमती ममता ओस्तवाल, बालोतरा
प्रोत्साहन – प्रेमलता सेठिया, नागपुर; प्रमिला कोठारी, अहमदाबाद; संतोष बरोला, भीलवाड़ा

समस्त विजेताओं को हार्दिक साधुवाद।
इस प्रतियोगिता में एसोसिएट सदस्य श्रीमती राजुल मनोत का सराहनीय योगदान रहा।

सतरंगी ज्ञानोत्सव
सप्तदिवसीय प्रश्न प्रतियोगिता

दि. 27.3.2023 से दि. 3.4.2023 तक सतरंगी ज्ञानोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन अभातेममं के तत्त्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। सप्तदिवसीय विविध विषयों पर आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता में प्रतिदिन 250 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज की। विविध विषय इस प्रकार रहे:–

27 मार्च 2023	कालूतत्त्वशतक	28 मार्च 2023	नौ तत्त्व	29 मार्च 2023	जीव अजीव पुस्तक
30 मार्च 2023	कर्म प्रकृति	31 मार्च 2023	गति चार	1 अप्रैल 2023	आचार्य भिक्षु
		2 अप्रैल 2023	भगवान महावीर		

प्रतिदिन वरीयता प्राप्त विजेताओं का फाइनल राउण्ड हेतु चयन किया गया। 3 अप्रैल 2023 को सप्तदिवसीय विषयों पर आधारित फाइनल जूम पर दो राउण्ड में आयोजित किया गया। प्रथम राउण्ड में सातों विषयों पर आधारित विकल्प प्रश्न किए गए। द्वितीय राउण्ड में कालूतत्त्वशतक एवं कर्म प्रकृति पर आधारित चित्र पहचानो प्रतियोगिता हुई। फाइनल राउण्ड के परिणाम इस प्रकार रहे :–

प्रथम – श्रीमती सरिता बालड़, बालोतरा
द्वितीय – श्रीमती सुमन कुहाड़, बालोतरा
तृतीय – श्रीमती जया बोथरा, पूर्वांचल कोलकाता
प्रोत्साहन – श्रीमती पिंकी सालेचा, बालोतरा एवं श्रीमती कविता सालेचा, बालोतरा

समस्त विजेताओं को हार्दिक साधुवाद। यह प्रतियोगिता पुनरावर्तन का सफल प्रयास रहा। इस ज्ञानोत्सव प्रश्नोत्तरी में सभी बहनों ने उत्साह के साथ भाग लिया। नवीन तरीके से समयावधि के साथ कराई गई यह प्रश्नोत्तरी सभी को रोचक लगी। नवीन तरीके से ज्ञानार्जन कराने में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया का अथक श्रम रहा। प्रतियोगिता संयोजिकाद्वय रा.का.स. श्रीमती शालिनी लूंकड़ एवं एसोसिएट सदस्य श्रीमती राजुल मनोत का सार्थक श्रम मुखरित हो रहा था।

लिलुआ

कन्या सुरक्षा स्तम्भ एवं बेंच लोकार्पण

दि. 26.4.2023 को अभातेममं के निर्देशन में तेममं लिलुआ द्वारा निर्मित कन्या सुरक्षा स्तम्भ और 2 कन्या सुरक्षा बेंच का लोकार्पण समारोह लिलुआ स्थित एम.सी.के.वी. इंजीनियरिंग कॉलेज में किया आयोजित गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने की। चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया, ट्रस्टी श्रीमती ज्योति जैन, परामर्शक श्रीमती लता गोयल, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा एवं तृणमूल युवा कांग्रेस हावड़ा जिलाध्यक्ष श्री कैलाश मिश्रा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

समारोह का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक संगान से हुआ। बहनों ने प्रेरणा गीत व स्वागत गीतिका की सुमधुर प्रस्तुति दी। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती बेला पोरवाल ने उपस्थित अतिथिजनों का स्वागत किया। श्री कैलाश मिश्रा ने महिला उत्थान व विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने प्रेरक विचार प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ओजस्वी, ऊर्जावान व प्रेरणात्मक वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कन्या सुरक्षा स्तम्भ के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारियां दी और तेममं लिलुआ द्वाराप्रमुख सड़क पर स्तम्भ निर्माण हेतु हार्दिक साधुवाद देतु हुए सदस्यों के अथक प्रयासों की अत्यंत सराहना की। आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती सुनीता बैद ने एवं संचालन श्रीमती नयना सुराणा ने किया।

साउथ हावड़ा

कन्या सुरक्षा सर्कल लोकार्पण

दि. 26.4.2023 को तेममं साउथ हावड़ा द्वारा निर्मित कन्या सुरक्षा सर्कल का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने किया। चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, ट्रस्टी डॉ. सूरज बरड़िया, ट्रस्टी श्रीमती ज्योति जैन, परामर्शक श्रीमती लता गोयल, उपाध्यक्ष वरिष्ठ श्रीमती सरिता डागा, प्रचार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, बंगाल प्रभारी श्रीमती रमण पटावरी और श्रीमती सोनम बागरेचा एवं पूर्व पार्षद श्री शैलेष राय की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ ट्रस्टी ने नमस्कार महामंत्र उच्चारण से किया। ट्रस्टी डॉ. सूरज बरड़िया ने स्थानीय तेममं को शुभकामनाएं प्रेषित की। स्थानीय मंत्री श्रीमती रेखा बैंगानी ने सभी का स्वागत करते हुए यह बताया कि शाखा द्वारा निर्मित यह द्वितीय सर्कल है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने कन्या सुरक्षा सर्कल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे स्तंभ कन्याओं की सुरक्षा के लिए लोगों में जागरूकता प्रदान करते हैं। पूर्व पार्षद श्री शैलेश राय ने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। स्थानीय सभा मंत्री श्री बसंत पटवारी और तेयुप अध्यक्ष श्री वीरेंद्र बोहरा ने भी अपने विचार रखे।

उद्घाटन के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उनकी टीम ने साउथ हावड़ा महिला मंडल के फ्लैट का अवलोकन किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांता पुगलिया ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। अभातेममं अध्यक्षा श्रीमती नीलम जी सेठिया ने मंडल को फ्लैट के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इसे तेरापंथ दर्शन एवं तत्वज्ञान स्टडी सेंटर घोषित किया। चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी और ट्रस्टी श्रीमती ज्योति जैन ने भी अपने विचार रखे।

कन्या मंडल ने गीतिका की सुमधुर प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी गिड़िया ने किया एवं कुशल संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती रेखा बैंगानी ने किया।

मध्य कोलकाता

FEED THE MIND

पाठशाला पुस्तकालय परियोजना

कन्या सुरक्षा बेंच

उर्वी का लोकार्पण

दि. 28.4.2023 को अभातेममं निर्देशित फीड़ द माइंड के अंतर्गत पुस्तकालय का उद्घाटन, कन्या सुरक्षा योजना अंतर्गत 2 बेंचेस का लोकार्पण एवं उर्वी मुखरित दीवारें का लोकर्पण तेममं मध्य कोलकाता द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता तथा चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, बंगाल प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी एवं सोनम बागरेचा, रा.का.स. श्रीमती बबीता भूतोड़िया एवं श्रीमती संगीता बाफना की गरिमामय उपस्थिति में हुआ।

यह तीनों कार्य रामानंद चैरिटी विद्यालय मे किये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ। स्थानीय बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। स्वागत वक्तव्य स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता लूणिया ने दिया। तत्पश्चात श्रीमती सरिता डागा ने अपने भाव प्रकट किये।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने मंडल के कार्यो को सराहते हुए अन्य निर्देशित आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहभागिता देने के लिए प्रेरणा दी। आचार्य तुलसी परियोजना निदेशिक श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने तत्वज्ञान पाठ्यक्रम संबंधित जानकारी दी।

आभार ज्ञापन स्थानीय परामर्शिका श्रीमती बसंती बोहरा ने तथा संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती सपना बिरमेचा ने किया।

साउथ कोलकाता

Turning Point
आंचलिक कार्यशाला

दि. 26.4.2023 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं साउथ कोलकाता के निर्देशन में तेकमं साउथ कोलकाता द्वारा वृहद् कोलकाता स्तरीय 'टर्निंग पॉइंट' कार्यशाला का आयोजन जी.डी.बिड़ला सभागार में किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, उपाध्यक्ष वरिष्ठ श्रीमती सरिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, संरक्षिका श्रीमती तारा सुराणा, ट्रस्टी डॉ. सूरज बरड़िया, ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद, ट्रस्टी श्रीमती ज्योति जैन, परामर्शक श्रीमती संतोष चौरड़िया, परामर्शक श्रीमती लता गोयल, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, रा.का.स. श्रीमती बबीता भूतोड़िया, रा.का.स. श्रीमती अनुपमा नाहटा, रा.का.स. श्रीमती संगीता बाफना की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यशाला का शुभारंभ कन्याओं के सामूहिक नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने पूरी टीम के साथ Turning Point बैनर का अनावरण किया। मुनिश्री जिनेशकुमारजी द्वारा प्रदत्त आशीर्वचन को वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अनीता सुराना एवं कन्या मंडल संयोजिका सुश्री दृष्टि सुराना ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुए में सुन्दर प्रस्तुति दी। रा.का.स. एवं स्थानीय मंत्री श्रीमती बबीता भुतोड़िया ने अभातेममं सदस्यों का तथा ट्रस्टी डॉ. सूरज बरड़िया ने उदारमना परिवार का स्वागत किया। कार्यक्रम की संयोजना में कार्यक्रम निर्देशिका डॉ. सूरज बरड़िया का श्रम मुखरित हो रहा था।

कन्याओं ने मंगलाचरण एवं किए गए कार्यो का प्रगति विवरण video presentation द्वारा प्रस्तुत किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने विषय प्रवेश पर अपनी अभिव्यक्ति दी। चीफ़ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने प्रेरणादायक वक्तव्य से कन्याओं का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने Turning Point को समझने और जीवन में उतारने को विस्तारपूर्वक समझाया।

Panelists श्रीमती दर्शना बनिक (टॉलीवुड अभिनेत्री), RJ प्रज्ञा (93.5 Radio Mirchi), श्रीमती दिवा बैंगानी जैन (Director, Arrjavv Builders), श्रीमती इशु हिरावत (Mrs. World International 2022, 2nd Runner up), डॉ. गरिमा दुगड़ (MBBS), Adv. प्रेक्षा मनोत (Lawyer) ने अपनी सफलता के पहलुओं को दर्शाया। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी व प्रचार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा ने पैनलिस्ट एवं उपस्थित सभी कन्याओं से रूबरू होकर सवाल जवाब किए।

सभागार में पधारी post graduate कन्याओं का परिचय रा.का.स. व कन्या मंडल सह प्रभारी श्रीमती संगीता बाफना ने दिया। स्थानीय डॉ. पुखराज सेठिया द्वारा Turning Point विषय की महत्ता पर रोचक प्रस्तुति दी गई।

कार्यशाला का संचालन कन्या मंडल से सुश्री राशि नाहटा, सुश्री कनिका नाहटा, सुश्री पूजा रीतू बोथरा ने किया एवं आभार रा.का.स. एवं स्थानीय सहमंत्री श्रीमती अनुपमा नाहटा ने ज्ञापित किया। कन्याओं महिलाओं एवं सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण सहित लगभग 600 की उपस्थिति रही। कार्यशाला में media partner दैनिक समाचार पत्र 'सन्मार्ग' रहा।

उर्वी
मुखरित दीवारें

दि. 26.4.2023 को तेकमं साउथ कोलकाता द्वारा निर्मित 'उर्वी...मुखरित दीवारें' का अनावरण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, उपाध्यक्ष वरिष्ठ श्रीमती सरिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, रा.का.स. श्रीमती बबीता भूतोड़िया, रा.का.स. श्रीमती अनुपमा नाहटा, रा.का.स. श्रीमती संगीता बाफना की गरिमामय उपस्थिति रही।

चीफ़ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी द्वारा नमस्कार महामंत्रोच्चार से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्थानीय कन्या मंडल सह– संयोजिका सुश्री प्रेक्षा पोरवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।

G20 के अन्तर्गत C20 में अभातेममं के चयन होने पर कन्याओं ने Global Warming एवं Save Water पर मोहन क्लिनिक की विभिन्न दिवारों पर अपने हाथों से बनाई तस्वीरों के माध्यम से सभी को संदेश पहुँचाया कि किस प्रकार हम धरती की सुरक्षा कर सकते है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, मुख्य अतिथि वार्ड 87 काँउसिलर श्रीमती मनीषा बोस एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी ने दीवारों पर संदेशात्मक कलाकृतियाँ का अवलोकन कर कन्याओं की मेहनत की खूब सराहना की और तेकमं साउथ कोलकाता की कन्याओं को हार्दिक साधुवाद दिया।

स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अनीता सुराना, स्थानीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती सुमन गोलछा एवं डॉ. उर्मिला बिनायकिया सहित स्थानीय महिलाएं एवं कन्याओं की उपस्थिति रही। संचालन स्थानीय कन्या मंडल से सुश्री अवनी नाहटा व सुश्री साक्षी नाहटा ने किया एवं उर्वी का अनुभव बताते हुए स्थानीय कन्या मंडल संयोजिका सुश्री दृष्टि सुराना ने आभार ज्ञापित किया।

शाखा मंडल हेतु विशेष ध्यानार्थ

समस्त शाखा मंडल स्थानीय स्तर पर 15 जून 2023 से 15 जुलाई 2023 के मध्य अधिवेशन आयोजित कर चुनाव/मनाव सम्पन्न अवश्य कराएं। चुनाव/मनाव की प्रकिया पूर्णतया संवैधानिक हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

चुनाव / मनाव के लिए आवश्यक नियम

- साधारण सभा की रूपरेखा एक माह पूर्व कार्यसमिति की मीटिंग में निर्धारित की जाए जिसमें साधारण सभा हेतु दिनांक, स्थान, समय, एजेंडा व बजट पारित करवाया जाए। चुनाव अधिकारी की नियुक्ति कार्यसमिति की मीटिंग में ही की जाए।
- आय–व्यय का ब्यौरा पहले कार्यसमिति की मीटिंग में रखा जाए बाद में ही साधारण सभा में रखा जाये।
- साधारण सभा में सदस्यों की एक तिहाई उपस्थिति अनिवार्य है। कोरम के अभाव में निश्चित समय के आधा घंटे पश्चात् स्थगित साधारण सदन प्रारम्भ किया जा सकता है। इस स्थगित साधारण सदन का कोरम सदस्यों की एक चौथाई होनी आवश्यक है।
- साधारण सभा के लिए कम से कम 15 दिन पूर्व सभी सदस्यों को अनिवार्यतः सूचना दी जाए जिसमें बैठक की तारीख, स्थान, समय व एजेंडा का उल्लेख हो (प्रारूप रजिस्टर में उपलब्ध)। यह सूचना प्रत्येक सदस्य को निजी तौर पर पोस्ट, कोरियर, ईमेल या व्हाट्सएप्प के माध्यम से प्रेषित की जाए।
- अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की उम्र कम से कम 35 वर्ष व अधिकतम 65 वर्ष हो सकती है।
- नामांकन पत्र में एक प्रस्तावक व पांच अनुमोदक तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर होना जरूरी है। (प्रारूप रजिस्टर में उपलब्ध)।
- कोई भी सदस्य एक ही उम्मीदवार का प्रस्तावक–अनुमोदक बन सकता है।
- अध्यक्ष पद हेतु किसी भी सदस्य का कार्यसमिति सदस्य के रूप में दो पूर्ण कार्यकाल का अनुभव होना जरूरी है।
- पूर्ण भरा हुआ नामांकन पत्र साधारण सदन प्रारम्भ के 24 घण्टे पूर्व चुनाव अधिकारी / मंडल कार्यालय में जमा हो जाने चाहिए।
- उम्मीदवार चुनाव से पूर्व तक अपना नाम वापस ले सकता है।
- अध्यक्षीय निर्वाचन हेतु प्रयास मनाव का ही करें। मतदान की स्थिति में चुनाव प्रणाली गुप्त तरीके से ही की जाए।
- यदि अध्यक्ष पद हेतु निर्धारित दिनांक तक किसी नाम का प्रस्ताव नहीं आया हो तो चुनाव अधिकारी चालू बैठक में अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव मांग कर सर्वसम्मति अथवा बहुमत के आधार पर चुनाव करा दें। ऐसी स्थिति में भी चुनाव अधिकारी उम्मीदवार का नामांकन अवश्य भरवाए।
- मंडल के सदस्य ही साधारण सदस्य में सहभागिता दर्ज करा सकते हैं।
- चुनाव के पूर्व अध्यक्ष अपनी कार्यसमिति टीम सहित पद विसर्जन करे।

सूरत

आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर

दि. 28.04.2023 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं सूरत द्वारा 'आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेंटर' के बैनर का अनावरण परम पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में प्रातः प्रवचन के दौरान किया गया।

गुरुदेव के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आचार्यप्रवर के जन्मदिवस की पूर्व संध्या में सायं 5 बजे वेसु आरोग्य केंद्र सूरत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में 'आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेंटर' का विधिवत् उद्घाटन किया गया। ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर, रा.का.स. श्रीमती जयंती सिंघी की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा द्वारा उच्चारित नमस्कार महामंत्र से हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती राखी बैद ने स्वागत वक्तव्य दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने फिजियोथेरेपी सेंटर के प्रायोजक सेखानी परिवार को बहुत–बहुत साधुवाद दिया एवं स्थानीय महिला मंडल के इस प्रयास की सराहना की। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने अपने विचार प्रस्तुत किए। स्थानीय मंत्री श्रीमती सीमा भोगर ने आभार ज्ञापित किया।

इस कार्यकाल में आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर हेतु मशीन/उपकरण सौजन्यकर्त्ता Pioneer Embroideries Ltd., Mumbai; जेठमल जीवराज सेखानी 'एकता' (बीदासर) परिवार से श्रीमती बिमलाजी श्रीमती निधिजी सेखानी मुम्बई – सूरत (बीदासर) की गरिमामय उपस्थिति रही। सेखानी परिवार के परिवार हार्दिक आभार।

श्रुतोत्सव

दीक्षान्त समारोह

परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर की पावन सन्निधि में मुम्बई में
26 जुलाई 2023 को तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन में
उत्तीर्ण परीक्षार्थियों हेतु श्रुतोत्सव दीक्षान्त समारोह समायोजित है।
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें
निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी मो. 9311250290
या राष्ट्रीय संयोजिका
श्रीमती मंजू भूतोड़िया मो. 9312173434

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार 2023

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक महिला अधिवेशन में एक महिला और एक कन्या को सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार तेरापंथ धर्मसंघ की प्रतिभा सम्पन्न एक महिला एवं एक कन्या को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के अन्तर्गत ₹51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। समस्त शाखा मंडलों से निवेदन है कि अपने क्षेत्र से इस पुरस्कार हेतु प्रविष्टियां भेजें। इसके लिए समस्त शाखाएं अपनी जागरूकता का परिचय दे। अन्तिम निर्णय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु अर्हताएं

- कला, शिक्षा, विज्ञान, सेवा, साहित्य आदि के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली महिला/कन्या हो।
- चरित्रनिष्ठ एवं संघनिष्ठ मनोवृत्ति हो।

पुरस्कार प्रविष्टि हेतु शाखाओं के ध्यानार्थ

- प्रत्येक शाखा एक महिला और एक कन्या का नाम ही इस पुरस्कार हेतु प्रस्तावित कर सकता है।
- आपकी शाखा द्वारा प्रस्तावित महिला एवं कन्या के प्रस्ताव को उन व्यक्ति की फोटो सहित सम्पूर्ण परिचय (बॉयोडाटा) शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने शाखा के letterhead पर लिखित में भेजें। इस प्रस्ताव में अध्यक्ष एवं मंत्री सहित अन्य तीन पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी अनिवार्य रूप से होने चाहिए।
- प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2023 रहेगी। बाद में प्राप्त प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं की जाएगी।
- प्रविष्टियां सेलम स्थित अध्यक्षीय कार्यालय ही भेजें।
- शाखा उन्हीं महिला/कन्या की प्रविष्टियां भेजें जो 9 अक्टूबर 2023 को मुंबई में आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में उपस्थित होकर यह पुरस्कार स्वीकार कर सके।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध मौन

शृंखलाबद्ध मौन में कई क्षेत्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई है। भविष्य में भी इसी रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है। गत माह शृंखलाबद्ध मौन में संबद्ध होने वाली शाखाएं इस प्रकार हैं :–

मार्च-अप्रैल माह में शृंखलाबद्ध मौन

26 मार्च	– बालासोर	– 01	06 अप्रैल	– उदयपुर	– 05	17 अप्रैल	– करीमगंज	– 03
27 मार्च	– जयसिंहपुर	– 05	07 अप्रैल	– रायगंज	– 04	18 अप्रैल	– जयपुर सी–स्कीम	– 68
28 मार्च	– गंगाशहर	– 91	08 अप्रैल	– जावद	– 01	19 अप्रैल	– कोप्पल	– 06
29 मार्च	– जालना	– 04	09 अप्रैल	– कटिहार	– 02	20 अप्रैल	– रेलमगरा	– 02
30 मार्च	– लिम्बायत	– 02	10 अप्रैल	– सौंदत्ती	– 03	21 अप्रैल	– हिरियुर	– 03
31 मार्च	– छापर	– 01	11 अप्रैल	– पटना सिटी	– 12	22 अप्रैल	– पालनपुर	– 01
01 अप्रैल	– पंचकुला	– 08	12 अप्रैल	– बुरहानपुर	– 03	23 अप्रैल	– कोकराझाड़	– 01
02 अप्रैल	– तोशाम	– 01	13 अप्रैल	– भट्टा मधुबनी	– 03	24 अप्रैल	– अररिया आर.एस.	– 03
03 अप्रैल	– जमशेदपुर	– 01	14 अप्रैल	– अम्बाजोगाई	– 01	25 अप्रैल	– बोईसर	– 01
04 अप्रैल	– कीम	– 01	15 अप्रैल	– दिल्ली	– 01			
05 अप्रैल	– कटक	– 13	16 अप्रैल	– दीमापुर	– 01			

शृंखलाबद्ध मौन में तिथि आरक्षण हेतु Google Form Link :
https://forms.gle/RmgAXfRe3sVS3oGK7 (Touch the link to open Google Form)
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें संयोजिका श्रीमती जयंती सिंघी मो. 86906 66015

निर्जरा का विशिष्ट उपक्रम एवं
पूज्यप्रवर की रास्ते की सेवा का उपक्रम

'भावना सेवा' में सेवार्थी

भावना सेवा

1 मार्च से 7 मार्च 2023 – औरंगाबाद
श्रीमती रूपा धींग, श्रीमती सीमा मुथा, श्रीमती सुनीता सेठिया

8 मार्च से 14 मार्च 2023 – जयपुर शहर
श्रीमती निर्मला सुराना, श्रीमती सुमन रायजादा,
श्रीमती सायर बागरेचा, श्रीमती रेणु भांडावत, श्रीमती दिनेशबाला

15 मार्च से 21 मार्च 2023 – हुब्बल्ली
श्रीमती मंजु वैदमुथा, श्रीमती सुशीला बाफना, श्रीमती लीना डोसी,
श्रीमती लीला सकलेचा, श्रीमती ललिता पालगोता

22 मार्च से 28 मार्च 2023 – कोयम्बत्तूर
श्रीमती सुशीला बाफना, श्रीमती सरला रांका,
श्रीमती चन्दा सेठिया, श्रीमती तारा मरोठी

29 मार्च से 4 अप्रैल 2023 – डूंगरी एवं वलसाड
डूंगरी – श्रीमती रचना हिरण, श्रीमती आशा भटेवरा,
श्रीमती कान्ता दक, श्रीमती उषा कोठारी
वलसाड – श्रीमती कमला चपलोत, श्रीमती वासंती कोठारी,
श्रीमती विद्या धाकड़

5 अप्रैल से 11 अप्रैल 2023 – वापी
श्रीमती करुणा वागरेचा, श्रीमती दीपिका भंडारी,
श्रीमती एकता कच्छारा, श्रीमती हीर कच्छारा, श्रीमती वनिता मेहता

12 अप्रैल से 18 अप्रैल 2023 – मैसुरु
श्रीमती मंजु दक, श्रीमती आशा पितलिया, श्रीमती प्रेमा गुगलिया,
श्रीमती प्रेमा मेहता, श्रीमती पिस्ता दक, श्रीमती पुष्पा देरासरिया

19 अप्रैल से 25 अप्रैल 2023 – धुबड़ी
श्रीमती करुणा मालू, श्रीमती बिन्दु मालू, श्रीमती किरण धाड़ीवाल,
श्रीमती सरिता बैद, श्रीमती निहारिका नाहटा

26 अप्रैल से 2 मई 2023 – चिखली
श्रीमती चंदा चावत, श्रीमती डिम्पल चावत, श्रीमती चंदा बोल्या,
श्रीमती रत्ना बोइरा, श्रीमती मोना नंगावत, श्रीमती माया श्रीमाल

सेवा देने वाले शाखाओं एवं बहनों को हार्दिक साधुवाद
श्रीमती किरण बाई आंचलिया की निरन्तर सेवाओं हेतु आभार।

काव्यामृतम्
काव्यशाला

गत माह अनेक प्रविष्टयां प्राप्त हुई। अमृत पुरुष के अमृत महोत्सव पर आप सभी की श्रद्धासिक्त अभिवन्दना के स्वर मुखर हुए। पूज्यप्रवर के प्रति आपके सुन्दर शब्द चयन एवं सार्थक श्रम बेहद अनुमोदनीय है। आप सबकी सृजन क्षमता को साधुवाद। इस क्षमता का विकास निरंतर करना है और अपनी लेखनी को और अधिक समृद्ध बनाने का प्रयास करते रहना है।

मई माह के द्वितीय रविवार को विश्व में 'मदर्स डे' के रूप में मनाया जाता है। अतः आगामी माह के लिए माँ पर आधारित 'थीम' प्रदान की जा रही है। 'थीम' पर आधारित अपने नवीन विचारों सहित काव्य सृजन करें।

थीम: माँ – ममता की पवित्र प्रतिमूर्ति

- काव्यामृतम् काव्यशाला फेसबुक ग्रुप पर आप स्वयं पोस्ट कर सकते हैं।
- चयनित काव्य को अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।
- उपरोक्त थीम पर 20 मई 2023 तक प्राप्त प्रविष्टियां ही मान्य होगी।
- कविता अधिकतम 16 पंक्तियों की ही मान्य होगी।

काव्यामृतम् काव्यशाला का फेसबुक ग्रुप है :–
www.facebook.com/groups/418110360344800/

FEED THE MIND
पाठशाला पुस्तकालय परियोजना

अभातेममं का प्रयास – हर विद्यार्थी का हो शिक्षा में विकास। इस उद्देश्य की आपूर्ति हेतु FEED THE MIND- Library प्रोजेक्ट का कार्यान्वयन देश भर में विभिन्न शाखाओं द्वारा किया जा रहा है। शाखा मंडल द्वारा उद्घाटित लाइब्रेरी का पिछले अंक से जारी विवरण :–

शाखा	विद्यालय का नाम	लाभान्वित
हैदराबाद	पी.आर. विद्यालय हाई स्कूल	200
राजराजेश्वरी नगर	GHPS बंगारप्पा स्कूल	352
बेहाला	किशोर भारती गर्ल्स हाई स्कूल	
जयपुर शहर	राजकीय प्राथमिक विद्यालय	500
मध्य कोलकाता	रामानंद चैरिटी विद्यालय	190

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

मई 2023

सन्दर्भ पुस्तक : 'शासन माता' द्वारा रचित 'गणं सरणं गच्छामि' (दूसरा व तीसरा अध्याय)

एक शब्द में उत्तर दें

1. तेरापंथ धर्म संघ से अलग हुए साधु– साध्वियों के लिए आचार्य भिक्षु ने कौन से शब्द का प्रयोग किया ?
2. कौन सी पद्धति में किसी भी विचार, कार्य और जीवनशैली की आलोचना पर प्रतिबन्ध नहीं है ?
3. तेरापंथ की मान्यता के अनुसार पुण्य और पाप दोनों क्या है ?
4. जैन दर्शन दो नयों की व्यवस्था स्वीकार करता है – निश्चयनय और दूसरा ?
5. जो गुरु की आज्ञा और निर्देश का पालन करता है, गुरु की शुश्रूषा करता है वह क्या कहलाता है ?
6. धर्म की साधना का मूल तत्त्व क्या है ?
7. साधु–जीवन का उद्देश्य क्या है ?
8. सामान्यत: मुनि के लिए साधना का विधान क्या है ?
9. श्रुतग्रहण की मेधा से संपन्न पुरुष को क्या कहते है ?
10. मनोविज्ञान किसकी एक शाखा है ?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. भिक्षु स्वामी निश्चय ही ..... विद्वान थे।
12. शुद्धोपयोग केवल ..... या निवृत्ति रूप है।
13. तालमेल बिठाने के लिए ..... जीवन जीना जरूरी है।
14. चक्र का प्रत्येक आघात ..... पर होता है।
15. अनुशासन और व्यवस्था मात्र ..... सत्य नहीं है।
16. हमारे सामने लक्ष्य है ..... ।
17. सारणा–वारणा ..... का एक बड़ा आधार है।
18. लॉजी का अर्थ है ..... और अध्ययन।
19. मोहनीय कर्म की दो प्रकृतियां है – दर्शनमोह और ..... ।
20. अनुशासन और समर्पण, वात्सल्य और विनय ..... की दृढ़ता के प्रमुख तत्त्व हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया मो. 9819418492

Email : nirmalachandaliya@gmail.com

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 मई 2023

Google Form Link : https://forms.gle/pwYCZAA2LhevtffLA (Click here to go to Google Form)

अप्रैल 2023 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. आर्य सुधर्मा ने	02. शिथिलाचार ने	03. लोंकाशाह ने	04. लवजी मुनि ने	05. सिंघीजी ने
06. आचार्य भिक्षु ने	07. धर्मसंघ ने	08. भगवान महावीर ने	09. आचार्य भिक्षु ने	10. आचार्य श्रीमज्जयाचार्य ने
11. जैतसिंहजी	12. धर्मक्रान्ति	13. प्रेरणा	14. असंयम	15. जैनधर्म
16. पुरुषार्थ	17. तुलसी	18. सेवा	19. महावीर	20. दीर्घजीविता

अप्रैल 2023 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. सुशीला देवी लुणिया, जलगांव
2. प्रीति धारीवाल, नागपुर
3. मंजुला बरमेचा, श्रीडूंगरगढ़
4. सुनिता जैन, जावद
5. नीलम भंडारी, मुंबई
6. रिद्धिमा गोलछा, राउरकेला
7. संगीता चपलोत, बोईसर
8. प्रीति तातेड़, अहमदाबाद
9. पुष्पा बरडिया, हैदराबाद
10. साक्षी नाहटा, बॉलीगंज

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को

प्रदत्त सहयोग एवं प्रेरणा से प्राप्त अनुदान हेतु हार्दिक आभार

₹2,00,000
स्व. जुगराज जी दूगड़ की पुण्य स्मृति में संजयजी, उर्मिलाजी, रजतजी, गौरवजी दूगड़ सरदारशहर–कोलकाता (कला अभ्युदय योजना)

₹1,51,000
स्व. बिमलादेवी स्व. पदमचन्दजी की पुण्य स्मृति में सुशीलजी हिरावत परिवार रतननगर–पूर्वांचल कोलकाता (भावना सेवा अर्द्धमासिक)

₹1,51,000
हाथीमल जसकरण बैंगानी जनसेवा कोष जगतसिंहजी नवीनजी बैंगानी लाडनूं–पूर्वांचल कोलकाता (भावना सेवा अर्द्धमासिक)

₹51,000
तेरापंथ महिला मंडल पूर्वांचल कोलकाता

₹31,000
तेरापंथ महिला मंडल मध्य कोलकाता

₹21,000
तेरापंथ महिला मंडल साउथ हावड़ा

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

दि. 7.4.2023 को अभातेममं के तत्त्वावधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 'आपके स्वास्थ्य का आधार – आहार और चिकित्सा विज्ञान' कार्यशाला जूम पर आयोजित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. उर्वशी लूणिया ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने सभी का स्वागत करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा प्रदान की। डॉ. उवर्शी लूणिया ने सरलता से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने हेतु आहार और चिकित्सा के कई गुर बताए। लगभग 500 की उपस्थिति में बहनों की कई जिज्ञासाओं को समाहित करते हुए मुख्य वक्ता ने सटीक समाधान भी दिया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया के आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

ब्रह्म मुहूर्त्त नवान्हिक अनुष्ठान

अभातेममं द्वारा चैत्र नवरात्रि में 22 मार्च 2023 से 30 मार्च 2023 तक ब्रह्म मुहूर्त्त अनुष्ठान का आयोजन जूम पर किया गया। इस नवान्हिक एवं भक्तामर अनुष्ठान में संयोजिका रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद द्वारा एवं चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, ट्रस्टी डॉ. सूरज बरड़िया आदि के सहयोग से प्रतिदिन यह अनुष्ठान सुचारु चला एवं प्रतिदिन 500 बहनों की उपस्थिति रही।

गुरु पुष्य नक्षत्र पर पैंसठिया छन्द अनुष्ठान

दि. 27.4.2023 को अभातेममं द्वारा गुरु पुष्य नक्षत्र के पावन दिवस पर पैंसठिया छन्द अनुष्ठान का आयोजन जूम पर किया गया। इस अनुष्ठान में जूम एवं फेसबुक लाइव पर 450 से अधिक महिलाओं ने अपनी सहभागिता प्रदान की।

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव
F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com
महामंत्री कार्यालय

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube

मंजुला डूंगरवाल
12 सहदेवपुरम
सेलम 636 007.
(तमिलनाडु)
मो. 9841399155
Email: pinky28380@gmail.com
नारीलोक प्राप्ति हेतु सम्पर्क सूत्र